A–0165

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY (N)-221

होरा ज्योतिष

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहों के तात्कालिक, नैसर्गिक मित्रादि विचारों को लिखते हुए पंचधा मैत्री विचारों का प्रतिपादन कीजिए।

2. आत्मादि कारकत्व विचारों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. द्वादश भावस्व चंद्र, मंगल एवं सूर्य ग्रहों के फलों का विवेचन कीजिए।

4. स्व कल्पित उदाहरण के द्वारा षडवर्ग विचार का विस्तृत विवेचन कीजिए।

5. ग्रहों के विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. होराशास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2. नक्षत्रों का राश्यादि वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

3. द्वादश भावों से विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिए।

4. ग्रहों के उच्च नीच अंशादि एवं राशियों का निरूपण कीजिए।

5. ग्रहों के षडबल का विवेचन कीजिए।

6. द्वादश भावस्थ शुक्र के फलों का विवेचन कीजिए।

7. द्वादश भावस्था राहु के फलों का विवेचन कीजिए।

8. द्वादश भावों की संज्ञाओं को लिखते हुए फलादेश के मूल सिद्धान्तों का प्रतिपादन कीजिए।

****